हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(वसंत)(पाठ 4)(शमशेर बहादुर सिंह – चाँद से थेड़ी सी गप्पें)
(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:
‘आप पहने हुए हैं कुल आकाश’ के माध्यम से लड़की कहना चाहती है कि –
(क) चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।
(ख) चाँद की पोशाक चारों दिशाओं में फैली हुई है।
तुम किसे सही मानते हो ?

उत्तर 1:
चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है। क्योंकि आकाश में टिमटिमाते तारे ऐसे लग रहें हैं मानो किसी रेश्मी चादर में मोती जड़े हों , और आकाश में निकला चॉद भी ऐसा ही लग रहा है मानो उसने तारों की चादर ओढ़ रखी हो ।

प्रश्न 2:
कवि ने चाँद से गप्पें किस दिन लगाई होंगी ? इस कविता में आई बातों की मदद से अनुमान लगाओ और कारण भी बताओ।
दिन कारण
पूर्णिमा
अष्टमी से पूर्णिमा के बीच
प्रथमा से अष्टमी के बीच

उत्तर 2:
पूर्णिमा :– इस दिन चॉद पूरा गोल नजर आता है ।
अष्टमी से पूर्णिमा के बीच :– इस समय चॉद तिरछा नजर आता है ।
प्रथमा से अष्टमी के बीच :– इस समय चॉद पतला नजर आता है ।
मेरे विचार से कवि ने चॉद से गप्पें अष्टमी से पूर्णिमा के बीच लगाई होंगी ।